फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 249 प्रभात जयपुर, गुरुवार 11 अप्रेल, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

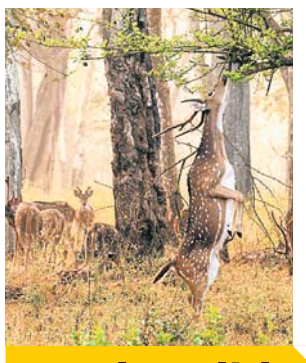

**"What did you see?"**

"What did you see?" asked an American, who had come to Kabini for the first time.

**JKK: 31 YEARS OF NURTURING CULTURE**

On 31st Foundation Day, Jawahar Kala Kendra, the art and cultural hub of the Pink City, treated its patrons to a two-day extravaganza of art, dance and music.

## 'अर्जेन्ट सुनवाई नहीं होगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। दिल्ली हाई कोर्ट के द्वारा अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज़ किए जाने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने इसके खिलाफ

- सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कहा है कि, ई.डी. की गिरफ्तारी के विरूद्ध दायर केजरीवाल की याचिका की त्वरित सुनवाई नहीं होगी। कोर्ट ने सोमवार तक याचिका पर विचार करने का आश्वासन दिया।

सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई करने की मांग की थी जिसे अस्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चन्द्रचूड़ ने उनके वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी से बुधवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट को ई-मेल भेजे, कोर्ट उनकी अपील पर विचार करेगा।

मनी लॉण्डरिंग केस में प्रवर्तन

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'अगर दिल्ली नॉर्थ-ईस्ट की सीट पर, उम्मीदवार नहीं बनाया गया तो आप के साथ गठबंधन टूटेगा'

## दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने जिद पकड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। दिल्ली कांग्रेस में उन तीन लोकसभा सीटों को लेकर भारी वादविवाद शुरु हो गया है, जिन पर पार्टी चुनाव लड़ रही है।

धड़ो में बंटी दिल्ली कांग्रेस में, पी.सी.सी. चीफ अरविंद सिंह लवली, जो नॉर्थ ईस्ट सीट के टिकट के लिए प्रयास कर रहे हैं, ने कहा है कि, यदि उन्हें टिकट नहीं मिलता है तो कांग्रेस को दिल्ली में गठबंधन से बाहर निकल जाना चाहिए।

लवली इस सीट के लिए एक प्रत्याशी थे। लेकिन अपने सलाहकारों की सलाह पर उन्होंने अपना हाथ खींच लिया, क्योंकि, उन्हें बताया गया कि, वो चुनाव हार जाएंगे।

फिर जब और नाम सामने आए तो उन्होंने फिर अपना मन बदल लिया और सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी के समक्ष एक सिंगल कैन्डिडेट के रुप में उनका नाम पेश हुआ।

- लवली के, दिल्ली कांग्रेस की राजनीति में प्रतिद्वंदी अजय माकन ने इस सीट पर, कन्हैया कुमार का नाम चलाया है।
- दिल्ली नॉर्थ-वेस्ट सीट पर माकन उदित राज की पैरवी कर रहे हैं तथा उदित राज की उम्मीदवारी का समर्थन खड़गे भी कर रहे हैं।
- पर, लवली ने राज कुमार चौहान का नाम चला रखा है।
- चाँदनी चौक सीट पर, संदीप दीक्षित ने काम शुरु कर दिया, राहुल गाँधी से इशारा मिलने के बाद। पर, यह भी सच है कि, अभी तक ए.आई.सी.सी. की ओर से उनका नाम क्लियर नहीं हुआ है।
- लवली ने पहले तो नॉर्थ-ईस्ट से चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया था, क्योंकि उनके सलाहकारों ने राय दी थी कि, वे चुनाव हार जायेंगे। पर, जब उनके प्रतिद्वंदियों ने इस सीट पर और नाम चलाना शुरु किया, तो लवली ने भी उम्मीदवार बनने के लिये अपना नाम फेंका।

लेकिन, दिल्ली की राजनीति में लवली के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी अजय माकन ने कन्हैया कुमार का नाम प्रस्तावित किया, जो वहाँ से एक सशक्त और ऊर्जावान उम्मीदवार हैं।

पता चला है कि, पार्टी नेतृत्व भी कन्हैया कुमार को चुनाव मैदान में उतारना चाहता है।

अब लवली ने प्रस्ताव दिया है कि, यदि उन्हें (लवली को) टिकट नहीं मिलता है तो कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के साथ किए गए गठबंधन को तोड़ देना चाहिए।

लवली, नॉर्थ वैस्ट निर्वाचन क्षेत्र से राज कुमार चौहान को समर्थन दे रहे हैं, वहीं, माकन उदित राज का समर्थन कर रहे हैं। माना जा रहा है कि, खड़गे भी उदित राज के पक्ष में हैं।

चांदनी चौक में संदीप दीक्षित ने राहुल गाँधी से सहमति मिलने के बाद

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## भाजपा की दसवीं लिस्ट घोषित

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली,10 अप्रेल। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की दसवीं सूची जारी कर दी। पार्टी ने अनुपम खेर की पत्नी किरण खेर का टिकट काट कर उनकी जगह चण्डीगढ़ से संजय टंडन को टिकट दिया है। प्रत्याशियों की सूची में सात नाम उत्तर प्रदेश से हैं और इलाहाबाद की सीट से वर्तमान सांसद रीता बहुगुणा का नाम काटकर नीरज त्रिपाठी को टिकट दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर को बलिया सीट से पुनः प्रत्याशी

- चंडीगढ़ से किरण खेर और इलाहाबाद से रीता बहुगुणा जोशी का पत्ता कटा। ये सीटें क्रमशः संजय टंडन और नीरज त्रिपाठी को दी गई हैं।

बनाया है। पश्चिम बंगाल में, पार्टी ने आसनसोल सीट से शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ चुनाव लड़ने के सरदार एस.एस.अहलुवालिया को मैदान में उतारा है। उत्तर प्रदेश में भाजपा ने फूलपुर सीट से प्रवीण पटेल को टिकट दिया। इस सीट से पूर्व में दो प्रधान मंत्री निर्वाचित हो चुके हैं, जबकि दिल्ली के पास की कोशांबी सीट से विनोद शंकर को मैदान में उतारा है और गाजीपुर सीट से पारस नाथ राय को टिकट दिया है।

# भाजपा ने भी 10 मिनट का ''म्यूज़िकल वीडियो'' बनाया संसदीय चुनाव के लिये

## जैसा कि अपेक्षित ही था, इस वीडियो की थीम मोदी हैं, तथा नारा है, ''तभी तो लोग मोदी को चुनते हैं''

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। ''तभी-तो लोग मोदी को चुनते है।'' आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा के नए प्रचार गीत की थीम यही है। इस विडियो गीत में अयोध्या का राम मंदिर, वंदे भारत ट्रेन और केन्द्र सरकार का धारा 370 हटाने का निर्णय, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग झंडा फहराना बंद किया गया था, को दर्शाया गया है गीत पूरी तरह से नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व पर केन्द्रित हैं। गीत मे नारी शक्ति के प्रोत्साहन देने के प्रयासों व भ्रष्टाचार के खिलाफ उनके अभियान को दर्शाया गया है।

गीत के एक छंद-छंद में इस संदेश को रेखांकित किया है: ''मोदी का व्यक्तित्व ऐसा है कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण भ्रष्टाचारी डर के मारे कांपते हैं''। इस गीत को अलग-अलग 12 भाषाओं में गाया गया है। और, राष्ट्रीय एकता के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न संस्कृतियों की

- भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर रिलीज़ किया।
- ऐसा ही एक वीडियो भाजपा ने गत दिसम्बर को भी रिलीज़ किया था, तथा वीडियो की थीम थी, ''फिर आयेगा मोदी''।

पृष्ठभूमि वाले लोगों को एकसाथ दिखाया गया है।

गीत के अन्त में अनेक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले हजारों लोगो को एक विशाल कोलॉज बनाने के लिए एकसाथ आते हुए दिखाया गया है, जो सब एक सुर में गीत गाते नजर आ रहे हैं: हमारे सामूहिक सपने उड़ान भर चुके हैं। ''भाजपा के एक नेता ने इस गीत के बारे में कहा कि ''यह प्रचार गीत प्रधानमंत्री को एकजुट करने वाली शक्ति के व्यक्तित्व को प्रतिनिधत्व करने वाला गीत है।

जनवरी में, भाजपा ने अपने चुनाव प्रचार को शुरू करते हुए एक वीडियो जारी किया था जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को समर्पित एक गीत दिखाया था सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर उस वीडियो को साझा करते हुए, भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा ने कहा था:''यह एक सुन्दर वीडियो गीत है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा पिछले एक दशक में किए प्रयासों को अंकित किया गया है, जो उनकी नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करता है, उनकी कार्यशैली तथा बहुत ही उत्साहवर्धक तरीके से निरंतर किए गए प्रयासों को दर्शाता हैं।

उन्होंने कहा, ऐसी कोशिशों के कारण करोडों भारतीयों के सपने हकीकत में बदल रहे हैं। आओ, हमसब

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## भाजपा ने तमिलनाडू में पूरी ताकत झोंक दी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाजपा की दक्षिणी मुहिम को और तेज करने के लिए बुधवार और गुरुवार को केरल और तमिलनाडु के

- प्रधानमंत्री मोदी गत कुछ अर्से में 8 बार तमिलनाडू आ चुके हैं। कई योजनाओं की घोषणा करने के साथ-साथ वे द्रमुक सरकार की भ्रष्टाचार और वंशवाद के लिए जमकर आलोचना कर रहे हैं, पर फिर भी कोई कसर ना छूट जाए इसलिए जयललिता के अपमान को भी मुद्दा बना रहे हैं।

दौरे पर रहे एक ओर तो उन्होंने दोनों राज्यों के लिए बड़ी- बड़ी घोषणाएं की साथ ही इंडिया गठबंधन और उसके घटको पर जमकर हमला बोला, खासकर द्रमुक के मुखिया व तमिलनाडु

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )




## दिल्ली मैट्रो को बड़ी राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। दिल्ली मैट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डी.एम.आर.सी.) को बड़ी राहत देते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, वह अनिल अंबानी की कम्पनी, दिल्ली एयरपोर्ट मैट्रो एक्सप्रेस प्रा. लि. (डी.ए.एम.ई.पी.एल.) को 8000 करोड़ रुपए का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं है। सन् 2017 में डी.एम.आर.सी. को यह आदेश सुनाया गया था। डी.एम.आर.सी. की ओर से दाखिल क्यूरेटिव याचिका को मंजूरी देते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी. वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने माना कि,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# 'खेला होबे, खेला होबे'

## बंगाल में चुनाव के दौरान लोक गीतों के मार्फत प्रतिद्वंदियों को टारगैट बनाने की पुरानी परिपाटी, अब पुनः जोरों पर चल रही हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अप्रेल। बंगाल में घुमक्कड़ चारण-भाटों की सदियों पुरानी परम्परा रही है। ये लोग अपने दल के साथ अलग-अलग जगहों पर जाकर गीत-संगीत का कार्यक्रम पेश करते है और ऐसे ही किसी अन्य दल के साथ उनकी प्रतिस्पर्धा भी होती है। इन्हें ''कबियाल'' कहा जाता है। ये लोग गीतों को हाथों-हाथ संगीतबद्ध कर प्रतिद्वंदी पार्टी को हाजिर-जवाब देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

चुनाव का समय आते ही यह परम्परा आज भी जीवित हो उठती है। प्रतिद्वंदी राजनेताओं और प्रतिपक्षियों का मजाक बनाने वाले गीत व रचनाएं सुनाई जाती हैं और भावनाओं को चोट पहुंचाने वाले टीकाकार एक दूसरे पर शाब्दिक रूप से प्रहार करते हैं।

- हालांकि, इस परिपाटी को कुछ धक्का लगा था, सोशल मीडिया का प्रचलन बढ़ने के बाद। पर, अब कबियालों की गायकी की ताकत को पुनः पहचाना है राजनीतिज्ञों ने, और लोकगीत लिखने वाले, गाने वाले, ''सैलिब्रिटी'' बन गये हैं तथा कईयों को पार्टियाँ संसदीय चुनाव लड़ने के लिए टिकट भी दे रही हैं और कुछ तो बंगाली फिल्मों में ''स्टार'' व निदेशक भी बन गये हैं।
- आजकल ''कबियालों'' के मार्फत सबसे ज्यादा कटाक्ष ममता बनर्जी व उनकी पार्टी पर हो रहा है।

वर्तमान के एक अग्रणी कबियाल हैं- असीम सरकार, जिन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है। उन्होंने अपनी एक रचना में तृणमूल पर विध्वंसक प्रहार किया है। यह रचना, इन दिनों सोशल मीडिया की सुर्खियों में है। गीत थोड़ा लम्बा है और इसकी शुरुआत ऐसे होती है:-

सुनो मेरे देशवासियों
हमारा स्वर्णिम बंगाल,
ताड़का राक्षसी द्वारा
निगला जा रहा है।
उसके आतंक से हमारी
मुस्कुराहट गायब हो गई है।
उसने वोट देने का हमारा अधिकार भी छीन लिया है।

असीम सरकार इन गीतों को हारमोनियम बजाते हुए गाते हैं और अपने कार्यक्रमों में बरबस सभी का ध्यान आकर्षित करते हैं। ठेठ-देहाती उच्चारण के साथ गाए गए इन गीतों में देहाती कशिश व आकर्षण होता है।

सोशल मीडिया से पहले 1950, 1960 और 1970 के दशकों में इस तरह की हास्यास्पद निरर्थक कविताएं दीवारों पर भित्ति चित्रों के रूप में उकेरी जाती थी। उनसे सर्वाधिक हास्यास्पद को तो अब भुला दिया गया है, लेकिन उनमें से कुछ को उनके मज़ाकिया अंदाज के कारण अब भी याद किया जाता है।

एक बार जब 14 जुलाई को चुनाव होने थे, तब कांग्रेस ने कोई प्रभावी बात कहने के लिए एक भित्ति चित्र बनवाया था। उसमें कहा गया था ''ज्योति बाबू की शादी 14 जुलाई को।''

इस पर सी.पी.आई. (एम.) तुरन्त प्रभाव से हरकत में आयी थी। उसने भी एक भित्ति चित्र बनवाया, जिसमें यह संदेश था कि ''निर्धारित दिन को इंदिरा जैसी युवा दुल्हन की तरह सजें।''

कोई इस बात का अंदाजा लगा सकता है कि चुनावों के बाद की पहली मुलाकात में संबंधित दोनों नेताओं की क्या प्रतिक्रिया रही होगी। इस प्रकार के भित्ति चित्रों को लेकर प्राप्त खबरों के आधार पर ''इंदिरा ने ज्योति बाबू को चिढ़ाया भी होगा।''

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस की नैया उसके लिए संकलित किए गए एक गीत ने पार लगाई। वास्तव में इसके पीछे की ताकत तृणमूल के सजग कार्यकर्ता थे और ''खेला होबे, खेला होबे'' का यह थीम सांग तृणमूल के लिए प्रतीकात्मक बन

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )